>

Title: Regarding dilapidated condition of National Highways in the country.

श्री अशोक अर्गल (भिंड): सभापति जी, देश में हरेक व्यक्ति को तीन चीजों बिजली, पानी और सड़क की जरूरत होती है। बिजली मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान जी की सरकार दे रही है और पानी ऊपर वाला खूब दे रहा है। रही बात सड़क की तो मैं उसके बारे में संक्षेप में कहना चाहूंगा। ग्वालियर से दतिया, झांसी होते हुए बुंदेलखंड को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क है। मैं सत्य कह रहा हूं कि ग्वालियर से डबरा, दतिया जाएं तो देखेंगे कि सड़क की क्या हालत है। इतने गड्ढे हैं कि एक-एक गड्ढा 15 से 20 फीट का है। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत वहां रोड बनाई जा रही है, जिसका 62 प्रतिशत काम हो गया है। मैं बताना चाहता हूं कि लोग 100 किलोमीटर तक का चक्कर लगाकर जाना स्वीकार करते हैं, लेकिन ग्वालियर से झांसी वाली उस सड़क से जाना स्वीकार्य नहीं है। इतनी बुरी उस सड़क की हालत है। चाहे तो केन्द्रीय सरकार वहां केन्द्रीय दल भेज कर इसकी जांच कर ले कि क्या स्थिति है। पूर्व राज्य सभा सांसद हेमा मालिनी जी वहां गई थी और उन्होंने भी उस सड़क पर टिप्पणी की थी।

सभापति महोदय: आपको अधिकार है बोलने का इसलिए आप सदन में इस बात को उठाने का आपको मौका मिल रहा है। किसी और का जिक्र करने की जरूरत नहीं है। आप मंत्री जी से कहें तो निश्चित रूप से सुनवाई होगी और उसका निरीक्षण होगा।

श्री अशोक अर्गल : यही स्थिति ग्वालियर से भिंड, इटावा वाली रोड का है। वहां फोर लेन के अनुमान से ट्रैफिक है, जबकि अभी वहां टू लेन ही है। इसे राज्य सरकार ने बीओटी में लेकर बनाया है, लेकिन वहां प्रतिदिन एक्सीडेंट होते हैं और दो-चार लोग मारे जाते हैं। कम से कम 100 लोग वहां मर चुके हैं। सभापति जी, मैं चाहता हूं कि इसे दिखवा लिया जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग नम्बर 3 पर भी बहुत बड़े-बड़े गड्ढे हो गये हैं, इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है।